हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 262 देहरादून, बृहस्पतिवार, 13 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उत्तराखण्ड पशु सखी ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने वाला देश का तीसरा राज्य बना 3

मिलेट्स-2023 से उत्तराखंड में मोटे अनाज की खेती को भी मिलेगा बढ़ावा : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी।, 13 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मिलेट्स-2023 के अन्तर्गत आयोजित 'क्षमता और अवसर' राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कान्फ्रेंस में विशेषज्ञों द्वारा जो मंथन किया जायेगा अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष को सफल बनाने में यह कारगर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर मिलेट्स किसानों के लिए अपनी कम लागत क्षमता के कारण उपयोगी हैं वहीं ये पोशक तत्वों से भरपूर होने के कारण आज के बदलते परिवेश में हम सबके लिए भी अति-आवश्यक हैं। इस तरह के आयोजनों से न केवल मिलेट्स के प्रचार प्रसार में सहायता मिलेगी बल्कि इनसे उत्तराखंड में मोटे अनाज की खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि भारत के प्रस्ताव और गंभीर प्रयासों के बाद ही संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया। भारत के बहुत से राज्यों में मोटे अनाज की खेती प्रचुर मात्रा में होती है, परंतु पहले इसके उचित दाम किसानों को नहीं मिलते थे। अब तस्वीर बदल रही है, इसका कारण लोगों का मोटे अनाजों को लेकर बदलता नजरिया है। आज मिलेट्स को लेकर देश में कई स्टार्टअप भी प्रारंभ हुए हैं, जो न केवल किसानों को फायदा पहुंचा रहे हैं बल्कि लोगों को रोजगार भी दिला रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने इसे श्री अन्न की संज्ञा दी है। जब हम किसी संकल्प को आगे बढ़ाते हैं तो उसे सिद्धि तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम होती है। श्री अन्न केवल खेती या खाने तक सीमित नहीं है, जो लोग भारत की परंपराओं से परिचित हैं वे जानते हैं कि हमारे यहां किसी के आगे ''श्री'' ऐसे ही नहीं जुड़ता है। जहां ''श्री'' होता है वहां समृद्धि भी होती है,समग्रता भी होती है और विजय भी होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न भारत में समग्र विकास का माध्यम बन रहा है इसमे गांव और गरीब जुड़े हैं और अब देश का प्रत्येक नागरिक भी जुड़ रहा है। श्री अन्न देश के छोटे किसानों के समृद्धि का द्वार है। देश के करोड़ों लोगों के पोषण का कर्णधार है। देश के आदिवासी समाज का सत्कार है। केमिकल मुक्त खेती का बड़ा आधार है और क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने में मददगार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र में मिलेट की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाओं के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। राज्य के पर्वतीय जनपदों के कृषकों से सहकारिता विभाग एवं उत्तराखण्ड कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से मंडुवा, झंगोरा, चौलाई जैसे मोटे अनाजों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। प्रत्येक वर्ष सहकारिता एवं विपणन बोर्ड द्वारा पर्वतीय जिलों में क्रय केन्द्र संचालित करके पर्वतीय जिलों के कृषकों से उनके गांव के निकट ही मंडुवा, झंगोरा आदि की खरीद करके किसानों को उनके खाते में ऑनलाइन भुगतान किया जा रहा है, इससे न सिर्फ किसानों की आय में बढोतरी हो रही है बल्कि मिलेट उत्पादों के उत्पादन हेतु किसान प्रोत्साहित भी हो रहे हैं। उत्तराखण्ड की जलवायु के अनुसार मिलेट की खेती को प्रोत्साहित करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, ताकि हमारा प्रदेश मिलेट उत्पादन में शीर्ष स्थान प्राप्त करे एवं राज्य की आर्थिक उन्नति में भागीदार बने। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया कि लोक पर्वों और त्योहारों में मिलेट उत्पादों का उपयोग अवश्य करें।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कृषि विपणन बोर्डों का राष्ट्रीय परिषद (कौसाम्ब) द्वारा मिलेट्स पर आधारित यह राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। आज पूरे विश्व में मोटे अनाजों को लेकर एक नई अलख जगी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरगामी सोच को परिलक्षित करते हुए भारत में श्री अन्न को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। प्रदेश में मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दो बार मिलेट भोज का आयोजन किया जा चुका है। विभिन्न सम्मेलनों और सेमिनारों का आयोजन कर मिलेट्स का प्रचार-प्रसार एवं कृषकों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने मिलेट्स के तहत मंडुवे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 35.78 रूपये तय किया है और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन कार्ड धारकों को भी वितरित किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि मई माह में देहरादून एवं हल्द्वानी में मिलेट्स को बढ़ावा देने के बड़े आयोजन किये जायेंगे। 2025 तक मिलेट उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

'बैसाखी' पर्व की बधाई : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को 'बैसाखी' पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बैसाखी हर्ष और उल्लास के साथ उत्साह व भाईचारे का भी पर्व है। उन्होंने कहा कि नई फसल के कटने से जुड़ा यह पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं तथा किसान व कृषि संस्कृति का भी परिचायक है। यह लोक आस्था एवं समृद्धि का भी प्रतीक है। इस पावन पर्व पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शान्ति व समृद्धि की कामना की है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग में लगाए गए चार हेल्थ एटीएम

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए प्रशासन के साथ ही स्वास्थ्य महकमा तैयारियों में जुटा है। स्वास्थ्य विभाग ने केदारनाथ यात्रा मार्ग में चार हेल्थ एटीएम की स्थापना कर दी है। शेष एक स्थान पर शीघ्र ही हेल्थ एटीएम लगाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एचसीएच मर्तोलिया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा केदारनाथ यात्रा मार्ग पर पांच स्थानों पर हेल्थ एटीएम की स्वीकृति दी गई थी। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुप्तकाशी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फाटा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीकुंड और माधव चिकित्सालय नारायणकोटी में हेल्थ एटीएम की स्थापना कर दी गई है। सीएमओ ने बताया कि शेष एक हेल्थ एटीएम की स्थापना केदारनाथ धाम से पहले बेस कैंप के एमआरपी में जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि हेल्थ एटीएम में ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन, लंबाई, शरीर का तापमान, शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा आदि की जांच की जाएगी।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया गुरु तेग बहादुर और गुरु अर्जन देव जी का प्रकाश पर्व

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आ?त बाजार के तत्वावधान में गुरु तेग बहादुर एवं गुरु अर्जन देव साहिब का पावन प्रकाश पर्व कथा-कीर्तन के रूप में श्रद्धा एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रातः नितनेम के पश्चात ह?री रागी भाई सतवंत सिंह ने आसा दी वार का शब्द काहे रे बन खोजन जाई.., सरब निवासी सदा अलेपा तोही संगि समाई..,का गायन किया। गुरुद्वारा साहिब में बावा परिवार की तरफ से रखे गये श्री अखंड पाठ साहब जी के भोग डाले गऐ। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा के परिवार तरफ से निशान साहिब जी के चोले की सेवा की गई। हजूरी रागी चरणजीत सिंह ने चेतना है तउ चेत ले निसि दिनि मैं प्राणी.., नामु दानु इसनानु दिडि गुरमुखि भाइ भगति निसतारा.., गुरु अरजुण सचु सिरजणहारा..का शब्द गायन किया। ज्ञानी शमशेर सिंह हैंड ग्रंथी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब ने बचपन में अपने पहने हुए कपड़े उतार कर गरीब बच्चे को पहनाएं। 15 रागों में 59 शब्द व 57 श्लोक उच्चारण करें। गुरु अर्जन देव साहब ने अपना सारा जीवन मनुष्यता की भलाई में लगाया। उन्होंने 30 रागों में बाणी उच्चारण की। उन्होने सरबत के भले के लिए अरदास की, सरदार गुरबख्श सिंह राजन व सरदार गुलज़ार सिंह ने संगतों को गुरु साहिब के प्रकाश पर्व की बधाई दी। मंच संचालन करते हुए दविंदर सिंह भसीन ने बताया कि 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस एवं वैसाख महीने की सगरांद सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक कथा कीर्तन के रूप में मनाये जाएगे, जिसमें हुजुरी रागी दरबार अमृतसर साहिब के रागी सुखजीत सिंह संगतों को कीर्तन से निहाल करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर व प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर गुरबख्श सिंह राजन अध्यक्ष, गुलज़ार सिंह महासचिव, जगमिंदर सिंह छाबड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष, मंजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह जौली, सतनाम सिंह, अरविंदर सिंह उपस्थित रहे।

क्या आप जानते हैं आरटीजीएस और एनईएफटी में क्या अंतर है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अप्रैल , देश धीरे-धीरे डिजिटल होने की तरफ बढ़ रहा है और इस दौर से बैंकिंग सेक्टर भी अछूता नहीं रहा है. देखने को मिल रहा है कि लोग भी अब ऑनलाइन बैंकिंग की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं. आपका भी किसी न किसी बैंक में खाता होगा ही और आप भी जरुर बैंक के माध्यम से पैसों का लेनदेन करते ही होंगे. लेकिन क्या आपने कभी आरटीजीएस के बारे में सुना है.यदि आप बैंक से अपने पैसों का ट्रांसफर करते हैं तो आप इसके बारे में जरुर जानकारी रखते होंगे. लेकिन यदि ऐसा नहीं है तो हमारी ये खबर आपके लिए बेहद खास है.

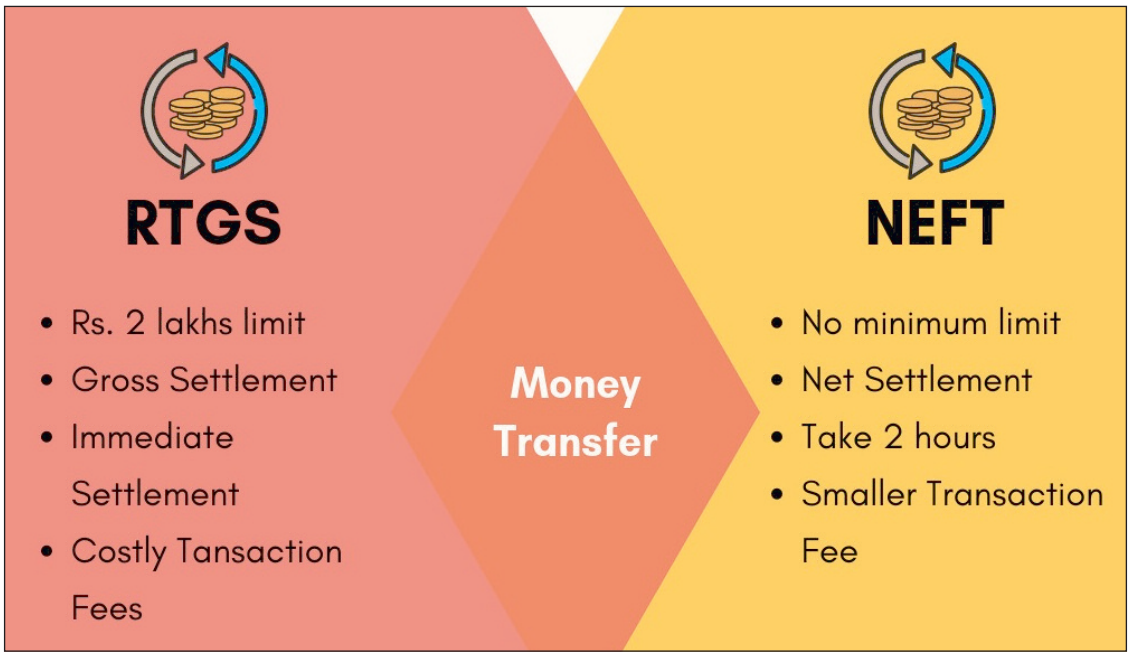

क्या है आरटीजीएस ?

किसी भी एक बैंक से दूसरे बैंक में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कई तरीके हैं जिनका उपयोग किया जाता है. इनमें से ही एक तरीका आरटीजीएस भी है. आरटीजीएस के द्वारा किसी भी एक बैंक से दूसरी बैंक में मनी ट्रांसफर का काम किया जाता है. यह एक तरह का इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेस है.लेकिन यहाँ ध्यान देने वाली बात यह है कि आप अपने बैंक से दूसरे बैंक में ही आरटीजीएस के द्वारा पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं. खुद के ही बैंक की किसी अन्य ब्रांच में आरटीजीएस के द्वारा मनी ट्रांसफर नहीं होता है.उदाहरण : मान लीजिए कि आपका अकाउंट बैंक ऑफ़ इंडिया में है और आपको अपने बैंक अकाउंट से किसी स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के अकाउंट में मनी ट्रांसफर करना है. तो इसके लिए आप आरटीजीएस का उपयोग कर सकते हैं. लेकिन यहाँ यदि आपका अकाउंट बैंक ऑफ़ इंडिया में होता है और आपको जिस अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करना है वह भी बैंक ऑफ़ इंडिया में है तो आप मनी ट्रांसफर नहीं कर सकते हैं.

आरटीजीएस का फुल फॉर्म क्या है ?

आमतौर पर बैंकिंग की इस टर्म का यूज़ इसके शोर्ट नाम से ही करते हैं. आपको बता दें कि आरटीजीएस का फुल फॉर्म रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS-Real Time Gross Settlement) है. आरटीजीएस को किसी एक बैंक के अकाउंट से किसी दूसरी बैंक के अकाउंट में मनी ट्रांसफर करने की सबसे तेज प्रोसेस मानी जाती है. बताया जाता है कि जैसे ही पैसे ट्रांसफर करने की कमांड मिलती है वैसे ही इसकी प्रोसेस भी शुरू कर दी जाती है.

आरटीजीएस से पैसा कितनी देर में और कितना पैसा ट्रांसफर होता है ?

जैसा कि हमने आपको बताया कि यह किसी एक बैंक से दूसरे बैंक में पैसा ट्रांसफर करने की सबसे तेज प्रोसेस है. इसके लिए लगने वाला समय काफी कम होता है. जैसे ही आप अपने अकाउंट से पैसा ट्रांसफर करते हैं यह 2 से 3 घंटे में ही सामने वाले के अकाउंट म पहुँच जाता है.इसके साथ ही यही आरटीजीएस के अंतर्गत पैसों के लेनदेन की लिमिट के बारे में बात करें तो यहाँ मनी ट्रांसफर की मिनिमम लिमिट 2 लाख रुपए दी गई है. इसके साथ ही यह भी बता दें कि इसमें मनी ट्रांसफर की कोई मैक्सिमम लिमिट नहीं है. यही आप जितना भी चाहे पैसा किसी अन्य बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं. जानकारी में ही आपको बता दें की हर बैंक आरटीजीएस के लिए अलग-अलग चार्ज लेता है. यह इस बात पर डिपेंड करता है कि आप कितना पैसा ट्रांसफर कर रहे हैं.

एनईएफटी क्या है ?

मनी के इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर का एक और तरीका होता है जिसे एनईएफटी कहा जाता है. एनईएफटी के द्वारा आप पूरे देश में कहीं भी आसानी से मनी ट्रांसफर कर सकते हैं. रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया यानि आरबीआई के द्वारा एनईएफटी के लिए स्पेशल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सिस्टम को एकीकृत किया गया है. एनईएफटी एक वन टू वन मनी ट्रांसफर प्रोसेस है. एनईएफटी से हम एक बैंक से दूसरे बैंक में मनी ट्रांसफर करने के साथ ही किसी बैंक की एक ब्रांच से दूसरी ब्रांच में भी पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं. एनईएफटी का फुल फॉर्म है नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT – National Electronic Funds Transfer).

वैसे तो RTGS और NEFT दोनों का ही उपयोग मनी ट्रांसफर के लिए किया जाता है. और आप किसी एक बैंक अकाउंट से दूसरे बैंक अकाउंट में मनी ट्रांसफर के लिए आरटीजीएस और एनईएफटी में से किसी का भी यूज़ कर सकते हैं. लेकिन इनके बीच कुछ अंतर हैं जो इस प्रकार हैं.

1. आरटीजीएस में पैसों के ट्रांसफर की एक लिमिट दी गई होती है, जिसके अंतर्गत आपको कम से कम 2 लाख रुपए का ट्रांसफर करना होता है. जबकि एनईएफटी में कोई मिनिमम लिमिट नहीं है. इसके जरिए आप 1 रुपए से लेकर अधिक से अधिक पैसों का ट्रांसफर कर सकते हैं.

2. आरटीजीएस में मनी ट्रांसफर तुरंत ही हो जाता है या इसमें अधिक से अधिक 2 से लेकर 3 घंटों का समय लगता है. जबकि एनईएफटी में मनी ट्रांसफर कुछ समय के बाद होता है और इसमें कुछ घंटों का टाइम लग जाता है.

3. आरटीजीएस में पैसों के ट्रांसफर का टाइम सुबह 8 बजे से शाम के 4.30 बजे तक का होता है. जबकि एनईएफटी में यह टाइम सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक होता है.

उसने जीवन में कभी औरत नहीं देखी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अप्रैल , ये दुनिया जितनी विचित्र है, उतनी ही यहां के लोग। यहां के लोगों के बारे में जितनी परिभाषाएं दी जाए, उतनी कम है। कई ऐसे लोग हैं, जिनके बारे में जानने के बाद शायद अपने कानों पर भरोसा ना हो, उनके बारे में पढ़ने के बाद अपनी आंखों पर भी भरोसा ना हो। ऐसे-ऐसे लोग दुनिया में पड़े हुए हैं। आज हम बात करेंगे, ऐसे ही एक शख्स की, जिसकी पूरी जिंदगी किताब का एक काल्पनिक किरदार बनकर रह गई।

क्या आप यकीन करेंगे ?

दरअसल, एक शख्स 82 साल तक इस जिंदा रहा, बिना यह जाने कि महिलाएं भी हमारे समाज का हिस्सा है। वह अपने आखिरी समय तक महिलाओं को एक काल्पनिक कथा का एक काल्पनिक हिस्सा मानता था। यहां तक कि वह ज्यादा लोगों से भी नहीं मिला। यह कोई किताब या फिल्म का कहानी नहीं है बल्कि एक असली किरदार है, जो ग्रीस के हल्कीदिकी का रहने वाला था। 1856 में जन्मे इस शख्स का नाम मिहेलो टोलोटोस था। जन्म के कुछ समय बाद ही उसकी मां की मौत हो गई, तभी से ही माउंट एथोस के एक मठ में रहने लगा, जिसका पालन-पोषण रूढ़िवादी भिक्षुओं ने किया।

उस मठ के नियम काफी सख्त थे, जहां ना तो महिलाओं को आने की अनुमति थी और ना ही पशुओं को। यह कानून हजार सालों से इस

मठ का हिस्सा बना हुआ है, जो आज तक चल रहा है। ऐसे में टोलोटोस ने कभी मठ नहीं छोड़ा, जिसका परिणाम आप सब सुन रहे हैं। हालांकि, ये नियम सिर्फ अविवाहित रहने के लिए था और यहां के भिक्षु बाहर जा सकते थें, लोगों से मिल सकते थें, दुनिया घूम सकते थें। 1938 में जब उसकी मौत हुई तो उसे भी बाकी भिक्षुओं की तरह दफन कर दिया गया।

टोलोटोस ने कभी किसी महिला को नहीं देखा

ऐसे में इस मठ के लोगों का मानना है कि टोलोटोस दुनिया के एकमात्र ऐसे इंसान थे, जिन्होंने अपनी पूरी में कभी किसी महिला को नहीं देखा और न हीं वे जानते थें कि आखिर महिला होती कैसी है? इसके अलावा उन्होंने कभी कार या हवाई जहाज को भी नहीं देखा था। वर्तमान समय में इस मठ (माउंट एथोस) को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। यहां हर साल काफी टूरिस्ट भी घूमने जाते हैं और टोलोटोस के बारे में करीब से जानने की कोशिश करते हैं।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस पर सर्वे के ऐतिहासिक पड़ाव किए याद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। सर्वे ऑफ इंडिया हाथीबडक़ला में राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस पर हुई गोष्ठी में भारतीय सर्वेक्षण के ऐतिहासिक पड़ावों को याद किया गया। भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय सभागार में हुई गोष्ठी में अपर महासर्वेक्षक (तकनीकी) ब्रिगेडियर बी सरीन चंदर ने बताया कि 10 अप्रैल 1802 को थियोडोलाइट यंत्र का उपयोग करके वैज्ञानिक एवं खगोलीय गणनाओं के प्रेक्षण पर आधारित ग्रेट त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण की आधार रेखा को मापने का काम सेंट थॉमस चेन्नई से शुरू हुआ था। सन 1841 तक इस सर्वे कार्य को लगातार जारी रखते हुए मसूरी के विनोग हिल तक करीब 2400 किमी लंबी ग्रेट मेरोडिनल आर्क(बृहत यामोत्तर चाप) को मापा गया। इसे विश्व में सबसे लंबी ग्रेट मेरोडिनल आर्क भी कहा जाता है। इसे भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कर्मठ अधिकारियों, सहयोगी कर्मचारियों, महान भारतीय सर्वेक्षकों, नक्षत्र विज्ञानी एवं गणितज्ञों द्वारा सफलता पूर्वक माप कर इतिहास रचा गया था। इसी प्रकार विश्व के सर्वोच्च शिखर माउंट एवरेस्ट की समुद्र सतह से ऊंचाई के प्रेक्षण आंकलन एवं गणना का कार्य भी (1841- 54) भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रमाणित तौर पर किया गया। जो आज के आधुनिक यंत्रों एवं डिजिटल गणनाओं के बेहद करीब है। उन्होंने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवार को सर्वेक्षण दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने मौजूदा कर्मचारियों से पूर्व के कार्यों से प्रेरणा लेकर विभाग को जियो-स्पेशियल जगत के शिखर तक पहुंचाने का आह्वान किया। समारोह के विशेष अतिथि ब्रिगेडियर केजी बहल अपर महासर्वेक्षक (सेवानिवृत्त), कर्नल सुमित द्विवेदी निदेशक राष्ट्रीय भू- स्थानिक आंक?ा केंद्र ने भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 1382 उन द्वीपों का संकलित ब्यौरा दिया, जिसे सामरिक, आर्थिक व जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। मौके पर प्रदीप सिंह उप महासर्वेक्षक तकनीकी ने समेत भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभी निदेशालयों के निदेशकों एवं महासर्वेक्षक कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे।

गंगोत्री हाईवे कार दुर्घटना ग्रस्त, चालक घायल

नई टिहरी। मंगलवार देर शाम चंबा गंगोत्री हाईवे पर छाम थाना क्षेत्रान्तर्गत स्यासू गांव के पास एक कार दुर्घटना ग्रस्त होकर करीब 70 मीटर खाई में जा गिरी, जिससे कार में सवार व्यक्ति घायल हो गया। छाम थानाध्यक्ष प्रदीप पंत ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस टीम और स्थानीय लोगों ने घायल अभिषेक (32) पुत्र ईश्वर सिंह निवासी गंगोह सहारनपुर यूपी हाल निवासी ब्रह्मणवाला देहरादून को खाई से निकालकर 108 एंबुलेंस सेवा की मदद से सीएचसी छाम पहुंचाया। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर भेजा दिया गया है। बताया कार में अभिषेक अकेला सवार था। कार उत्तरकाशी से चंबा की ओर आ रही थी।

उत्तराखण्ड पशु सखी ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने वाला देश का तीसरा राज्य बना

योजना मातृ शक्ति के सशक्तीकरण तथा स्वालम्बन हेतु महत्वपूर्ण : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत सरकार द्वारा वित पोषित ए हेल्प (Accredited Agent For Health and Extension of Live-stock Production) योजनान्तर्गत पशु सखी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा 23 ए हेल्प कार्यकत्रियों को ए हेल्प किट वितरित किए गए।

पशु सखी प्रशिक्षण के पश्चात ए हेल्प कार्यकत्री पशुपालन विभाग एवं पशुपालकों के बीच संयोजक कड़ी का काम करेंगी तथा पशुपालकों को सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध करायेगी। ए हेल्प योजना द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों को विभिन्न योजनाओं में भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। ए हेल्प कार्यकत्री, क्षेत्र के समस्त पशुधन और कुक्कुट संख्या का रिकॉर्ड भी ब्लॉक स्तर के पशु चिकित्सकों के साथ साझा करेंगी। इससे पशुपालन गतिविधियों का क्रियान्वयन आसान तो होगा ही दुग्ध उत्पादन पर भी सीधा असर पड़ेगा। इसके अलावा वे चारा उत्पादन के लिये पशुपालकों को प्रोत्साहित भी करेंगी जिससे वे चारे की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर बनें। प्रत्येक ए-हेल्प कार्यकत्री को फर्स्ट-एड किट भी दी जायेगी जिससे वे पशुपालकों की प्रारंभिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश और कश्मीर के बाद पशु सखी ट्रैरनिंग प्रोग्राम शुरू करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में मॉडल स्टेट बनाया जा सकता है। भारत सरकार की विभिन्न क्षेत्रों की योजनाओं का उत्तराखण्ड में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की अच्छी संभावनाएं हैं। यह देश के लिए हर क्षेत्र में एक मॉडल राज्य बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बेटे व भाई के रूप में वह राज्य की मातृ शक्ति का आत्मविश्वास बनाये रखने व सेवा के लिए सदैव तत्पर है। किसी भी समाज की रीढ़ उसकी सशक्त महिलाएं ही हैं, यदि किसी राज्य की नारी शक्ति प्रगति कर रही है तो उस राज्य का विकास सुनिश्चित है, उसे कोई रोक नहीं सकता। हमारे प्रदेश के निर्माण में महिलाओं ने अपना विशेष योगदान दिया है। एक ओर जहां प्रदेश की मातृशक्ति ने पूरे समाज को विपरीत परिस्थितियों में जीना सिखाया, जूझना सिखाया, वहीं दूसरी ओर हर परिस्थिति में जीतना भी सिखाया है। मुझे प्रसन्नता है कि आज प्रदेश के दुर्गम गांव-गांव में महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर कुटीर उद्योगों के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रही हैं। महिलाओं के पास कौशल की कभी कोई कमी नहीं रही और अब यही कौशल उनकी और उनके परिवारों की आर्थिकी को शक्ति प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की महिलाएं मल्टीनेशनल कम्पनियों के उत्पादों से भी बेहतर उत्पादों का निर्माण कर रही है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि प्रधानमंत्री के किसानों, पशुपालकों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह एक बड़ा कदम हैं। केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखण्ड सरकार को हर क्षेत्र की भांति पशुपालन में भी अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। यह योजना मातृ शक्ति के सशक्तीकरण तथा स्वालम्बन हेतु महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर भारत सरकार से अपर सचिव वर्षा जोशी, सचिव पशुपालन उत्तराखण्ड डा. बी वी आर सी पुरूषोत्तम, उत्तराखण्ड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल व विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों व महिला मंगल दलों के सदस्य व महिलाएं मौजूद रही।

महिलाएं कर रहीं देश व प्रदेश का नाम रोशन : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की , 13 अप्रैल , प्रदेश की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या आज आई०आई०टी० रूड़की पहुंची जहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में प्रतिभाग किया।उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में सभी छात्रों को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण विषय पर उन्होंने अपने विचार रखे।कहा कि महिलाएं हमारे देश की धरोहर है, अतः उन्हें जितना सम्मान और सशक्त किया जाए उतनी ही हमारे देश की समृद्धि होगी और हमारा देश सशक्त बनेगा।महिलाओं का स्वास्थ्य उनके घर, परिवार और समाज के लिए कभी भी प्राथमिकता में नहीं रहा है इसलिए उन्हें इसके लिए भी जागरूक किया जाना अतिआवश्यक है।

साथ ही कहा कि महिलाओं के शारीरिक, मानसिक, मौलिक और आर्थिक सशक्तिकरण के कारण ही घर, परिवार और देश का सशक्तिकरण हो सकता है। मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि एक स्वस्थ और समृद्ध सोच से अगर पुरुष वर्ग और एक महिला दूसरी महिला की साथी बने तो हमारे देश को एक स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध राष्ट्र होने से कोई नहीं रोक सकता है। इसके लिए जरूरी है बचपन से माता पिता अपने बच्चों में समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के बीज बोये।कहा कि आज हमारी बेटियां किसी से भी कम नही है ,वह आज पुरुषों के मुकाबले हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति समाज मे जो धारणा बनी थी आज बेटियां उसे तोड़ने का कार्य कर रही हैं।सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार ने 30 प्रतिशत का आरक्षण लागू किया है।जिसके द्वारा अब महिलाएं स्वालंबी व आत्मनिर्भर बनेगी और वह भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगी।साथ ही इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ,अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष धीरज पाल ,जिला मंत्री सतीश सैनी ,मंडल अध्यक्ष संजीव तोमर ,प्रोफेसर एस. पी. सिंह ,प्रोफेसर स्मिता झा ,डॉ. अनुपमा बहादुर सहित समस्त अध्यापकगण व छात्र उपस्थित रहे !

गरिमा चड्ढा बनी तेजस्विनी ग्रुप की रुड़की चैप्टर हेड

तेजस्विनी बिजनेस एसोसिएशन एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की देहरादून चैप्टर की मीटिंग संपन्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। तेजस्विनी बिजनेस एसोसिएशन एवं चैरिटेबल ट्रस्ट देहरादून चैप्टर का लांच किया गया जिसमें रुड़की की ही रहने वाली महिला उद्यमी गरिमा चड्ढा को चैप्टर हेड नियुक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत देश भक्ति की भावना को आगे रखते हुए राष्ट्रीय गान के साथ की गई। इसके उपरांत मॉडरेटर परवेज गाजी ने तेजस्विनी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि 2017 में तेजस्विनी की शुरुआत हुई और आज तेजस्विनी उस मुकाम पर है कि हम उसके चैप्टर अनाउंस कर रहे हैं ।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए तेजस्विनी ग्रुप की फाउंडर एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रिंसिपल ट्रस्टी प्रिया गुलाटी ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं के लिए एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां पर महिलाएं अपने व्यापार को आगे बढ़ा सकती हैं और कोई मार्केट ढूंढने के बजाय अपना एक मार्केट तेजसवानी के मध्यम से क्रिएट कर सकती हैं । कार्यक्रम में सभी महिला उद्यमियों ने अपने अपने बिजनेस की जानकारी दी।

कार्यक्रम में रुड़की की रहने वाली एक महिला उद्यमी गरिमा चड्ढा जोशी पेशे से 8 है और फिंगर भी है को चैप्टर नियुक्त कर उनको जिम्मेदारी सौंपी गई थी देहरादून की ही तरह तेजस्विनी के कार्य को यहां भी आगे ले कर जाएंगी। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों के साथ ही देहरादून से रमा चोपड़ा मिनी गुप्ता सहित इंटरनेशनल हास्य कवि फेमस खतौलवी मौजूद रहे जिन्होंने अपने हास्य कविता पाठ से सभी को हंसने लोटपोट होने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में अनिल चड्ढा ने भी पूरा सहयोग दिया।

बागेश्वर : तापमान बढ़ने के साथ-साथ सुलगने लगे उत्तराखंड के जंगल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 13 अप्रैल : तापमान बढ़ने के साथ उत्तराखंड के जंगल सुलगने लगे हैं। बीते दिन मोटा सेमल के जंगल में भीषण आग लग गई।

आग जंगल से फैलते हुए कुकुड़ागाड़ तक पहुंच गई। सूचना पर वन विभाग की टीम आग बुझाने के लिए रवाना हो गई है। इस साल दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के पहले सप्ताह तक बारिश के चलते जंगलों को आग से राहत मिली थी। अब मौसम साफ होने के बाद वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गई हैं। बहुली के जंगल में शाम के समय आग लगी और देखते ही देखते आग जंगल के बड़े भाग पर फैल गई। शाम के समय चलने वाली हवा से आग तेजी से फैलती चली गई। आग से वन संपदा को नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने आग लगने की सूचना वन विभाग को दी। इधर डीएफओ हिमांशु बागरी ने बताया कि विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा।

गर्मी में ठंडक के लिए, सुपरहिट टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अप्रैल : गर्मी का मौसम यानी पसीना, आलस, दिनभर सुस्ती, खाने पीने का दिल न करना और पानी से खास लगाव। जी हां, इसके अलावा सेहत से जुड़ी छोटी-मोटी समस्याएं तो इन दिनों में बेहद आम है। इन सभी से बचने के लिए जरूरी है चुस्ती-फुर्ती बनाए रखना और दिनचर्या में कुछ बदलाव भी। जानिए ऐसे ही कुछ जरूरी टिप्स, जो गर्मी की परेशानियों से आपको राहत देंगे

1 धूप से सुरक्षा – गर्मी में सबसे महत्वपूर्ण और पहला टिप्स तो यही है कि आप धूप में निकलते वक्त सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। सुबह दस बजे से शाम चार बजे के बीच धूप में जाने से बचें। अगर बाहर जाना ही पड़े तो शरीर को पूरी तरह से ढक कर, कच्चा प्याज साथ में रखकर ही बाहर निकलें। कैप, सनग्लास और सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें।

2 पेय पदार्थ ज्यादा लें – गर्मी के मौसम में ठोस आहार की बजाए तरल पेय पदार्थ जैसे ठंडा पानी, नींबू पानी, नींबू शिकंजी, शरबत, कैरी का पना, फलों का रस, छाछ, लस्सी ज्यादा मात्रा में लें, इससे शरीर में गिरावट बनी रहेगी और ऊर्जा का स्तर भी बना रहेगा।

3 ठंडी तासीर वाली वस्तुएं – गर्मी के दुष्परिणामों से बचने के लिए ठंडी तासीर के खाद्य पदार्थों का सेवन करें। बेल का शरबत, कैरी का पना, आंवला, कच्चे प्याज को भोजन में शामिल करें। खाद्य पदार्थ को गर्म-ठंडे के आधार पर नहीं बल्कि उनकी तासीर के आधार पर पहचानें जैसे आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक और बर्फ का गोला ठंडा होने पर भी शरीर की गर्मी बढ़ाते हैं।

4 हल्के-फुल्के कपड़े – गर्मी में कूल रहने के लिए आप हल्के रंग के कपड़ों का उपयोग करें, हल्के रंग आंखों को ठंडक पहुंचाते हैं। इस मौसम में कॉटन, शिफॉन, जॉर्जेट, क्रेप जैसे पतले और हलके कपड़े पहनें, जिनमें हवा आसानी से जा सके।

5 ताजा भोजन – हल्का, ताजा और जल्दी पचने वाला भोजन करें। भूख से कम खाएं और पानी ज्यादा पिएं। रसीले फल जैसे - तरबूज, आम, संतरा, अंगूर, तरबूज आदि से पेट भी रहेगा और ये शरीर में पानी की जरूरत की पूर्ति भी करेंगे।

6 पेय पदार्थ ज्यादा लें – गर्मी के मौसम में ठोस आहार की बजाए तरल पेय पदार्थ जैसे ठंडा पानी, नींबू पानी, नींबू शिकंजी, शरबत, कैरी का पना, फलों का रस, छाछ, लस्सी ज्यादा मात्रा में लें, इससे शरीर में गिरावट बनी रहेगी और ऊर्जा का स्तर भी बना रहेगा।

7 नींद पूरी करें – गर्मियों में नींद पर्याप्त मात्रा में और गहरी नहीं होती, इससे थकान बनी रहती है, जो अनावश्यक चिड़चिड़ाहट को जन्म देती है, इसलिए जब भी आराम की जरूरत महसूस हो, सब काम छोड़कर आराम करें।

पर्यटन मंत्री महाराज ने यात्रियों को दी बड़ी खुशखबरी, टोकन से होंगे दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ जीएमवीएन की बुकिंग का आंकडा पहुंचा 8,79,05963 लाख
■ चारधाम यात्रा के लिए 1337261 यात्री करवा चुके हैं अपना पंजीकरण

देहरादून , 13 अप्रैल , चारों धामों के मन्दिरों में लगने वाली लम्बी-लम्बी कतारों और दर्शन में लगने वाले कई-कई घण्टों के समय को देखते हुये दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए दर्शन हेतु स्लॉट/टोकन वितरण एवं कतार प्रबन्धन की व्यवस्था लागू की गयी है। ये जानकारी दी है प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने

उन्होंने कहा है कि चारों धामों श्री बद्रीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री एवं यमुनोत्री मन्दिरों में लगने वाली लम्बी-लम्बी कतारों और दर्शन में लगने वाले कई-कई घण्टों के समय को देखते हुये दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए दर्शन हेतु स्लॉट/टोकन वितरण एवं कतार प्रबन्धन की व्यवस्था लागू की गयी है। प्रत्येक धाम में उपलब्ध स्थान व आवासीय क्षमता के अनुरूप सम्बन्धित जिलाधिकारियों की सहमति के आधार पर धामों में दैनिक दर्शन हेतु सीमा का निर्धारण किया गया है।

पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि इस व्यवस्था के अन्तर्गत धामों की मन्दिर समितियों से मंदिरों को दर्शन हेतु खोले जाने की अवधि (घण्टों) से दैनिक दर्शन हेतु निर्धारित सीमा से विभाजित करते हुये एक-एक घण्टे के स्लॉट में दर्शनार्थियों की संख्या का निर्धारण किया गया है। जिससे दर्शनार्थियों को अपने स्लॉट समयावधि अधिकतम एक घण्टा ही कतार में लगना पड़ेगा। इतना ही नहीं प्रत्येक धाम में टोकन वितरण हेतु काउन्टर लगाये जायेंगे, जहां पर स्लॉट के अनुसार दर्शनार्थियों को टोकन वितरित किये जायेंगे। उन्होने कहा कि इससे चारधामों में आने वाले दर्शनार्थियों को न केवल मन्दिर में सुविधाजनक दर्शन होगें बल्कि धाम पर भ्रमण, संसाधनों के अवलोकन हेतु पर्याप्त समय भी सुलभ हो सकेगा।

पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार से यात्री लगातार अपना पंजीकरण करवा रहे हैं और गढ़वाल मंडल विकास निगम के गेस्ट हाउसों की बुकिंग का आंकडा बढ़ता जा रहा है वह प्रदेश के लिए शुभ संकेत है। निश्चित रूप से इस वर्ष की चारधाम यात्रा सभी व्यवसायियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। गत वर्ष की भांति इस बार भी सरकार ने चारधाम यात्रा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर दिया है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने बताया कि 22 अप्रैल 2023 से शुरू होने जा रही है चारधाम यात्रा के तहत केदारनाथ-476811, बद्रीनाथ-398361, यमनोत्री-217815, गंगोत्री-241356 और हेमकुण्ड के लिए 2916 यात्री विभिन्न माध्यमों से अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। अभी तक कुल 13 लाख 37 हजार 261 यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। इतना ही नहीं 16 फरवरी 2023 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग के तहत अभी तक कुल 87905963 (आठ करोड़ उनासी लाख पांच हजार नौ सौ तिरेसठ) रुपये की बुकिंग की जा चुकी है।

पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को तो बदरीनाथ के 27 अप्रैल को खुलेंगे जबकि परंपरा के अनुसार 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे। सरकार ने चारधाम सहित हेमकुंड यात्रा के लिए भी अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली है। चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सहायता के लिए आउट सोर्स माध्यम से पुरुष और महिला ₹पर्यटन सहायता व सुरक्षा मित्र₹ की तैनाती की जा रही है। उन्होंने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि चार धाम यात्रा की विस्तृत सुविधाओं का लाभ लेने के लिए वह अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पर्यटन विभाग की वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in, व्हाट्सएप नंबर 8394833833 या फिर टोल फ्री नंबर 1364 के जरिये भी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की कार्य योजना पर मुख्य सचिव ने ली बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 अप्रैल , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार विस्तृत गतिशीलता योजना के सम्बन्ध में बैठक हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने मोबिलिटी प्लान के अंतर्गत पंडितवाड़ी से रेलवे स्टेशन को जोड़ने हेतु रोप-वे के सुझाव की जगह ऐसे क्षेत्रों को जोड़ने के लिए Personal Rapid Transit (पीआरटी) को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने शहर की यातायात की समस्या को देखते हुए विस्तृत गतिशीलता प्लान के अंतर्गत शीघ्र लागू किए जा सकने वाले सुझावों पर तेजी से कार्य किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को माता मंदिर से हरिद्वार बाईपास को जोड़ने वाले आरओबी के लिए सभी प्रकार के सर्वे तेजी से कराए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने शहर के सभी चौराहों पर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत स्मार्ट सिग्नल लगाए जाने के निर्देश जिलाधिकारी देहरादून को दिए। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन को अधिक से अधिक सस्ता किए जाने के भी निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक लोग सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का प्रयोग करने को प्रोत्साहित हों।मुख्य सचिव ने पूरे शहर में सप्ताह में होने वाले बाजार बंद को क्रमिक रूप से अलग-अलग बाजारों के लिए अलग-अलग दिन निर्धारित किए जाने पर विचार किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही देहरादून के मुख्य मार्गों के आसपास खाली पड़े प्लॉट्स को पार्किंग के रूप में प्रयोग किए जाने हेतु प्लॉट स्वामियों से सम्पर्क किया जाए। उनसे इस सम्बन्ध में अनुबंध किया जा सकता है कि उन्हें जब भी प्लॉट की आवश्यकता होगी, बिना किसी देरी के उन्हें लौटाया जा सकेगा अथवा प्लॉट स्वामी किराया आधारित पार्किक स्वयं संचालित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों की पार्किंग को ऑफिस बंद होने के बाद प्रयोग किए जाने की भी व्यवस्था की जाए। उन्होंने एमडीडीए से नक्शे स्वीकृत कराते समय यातायात प्रभाव आंकलन को शामिल किया जाना सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए।इस अवसर पर सचिव आवास एस. एन. पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी एवं एसपी ट्रैफिक अक्षय प्रह्लाद कोंडे सहित प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन जितेन्द्र त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून में जमीन खरीदने वाले सावधान : डीएम सोनिका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 अप्रैल : देहरादून में आशियाना बनाने का सपना देख रहे लोग सावधान रहें। यहां जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर फर्जीवाड़े के केस लगातार सामने आ रहे हैं। डीएम सोनिका ने लोगों को जरूरी सलाह देते हुए कहा कि जमीन या मकान खरीदने से पहले रिकॉर्ड जरूर जांच लें। एमडीडीए से स्वीकृत लेआउट पर ही प्लॉट खरीदें। राजधानी देहरादून में जमीन की रजिस्ट्री को लेकर कई तरह के फर्जीवाड़े सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने लोगों से सतर्क रहने का अनुरोध किया है।

बीते दिन कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम सोनिका ने जनसुनवाई की। कार्यक्रम में 92 शिकायतें मिलीं, जिनमें से ज्यादातर जमीन फर्जीवाड़े से जुड़ी थीं। डीएम सोनिका ने कहा कि जिला प्रशासन जल्द ही चेक लिस्ट की व्यवस्था विकसित करने जा रहा है, ताकि लोगों को यह पता चल सके कि जमीन खरीदने से पहले किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान चकराता-त्यूणी में वाहनों में ओवरलोडिंग की शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अवैध मजारों के खिलाफ़ मुहिम का निर्णय बिल्कुल सही : मुफ्ती शमून क़ासमी

अवैध मजारों की आड़ में भूमाफिया करते है जमीनों पर कब्जा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,12 अप्रैल।भारतीय भूमि संतों और आध्यात्मिक लोगों की भूमि है। हम अनेकता में एकता और वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति में विश्वास करते हैं। भारत में सभी धर्मों का एक समान रूप से सम्मान है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति हो सकती है। धर्मनिरपेक्षता तुष्टिकरण से अलग है। आज हम देख रहे हैं कि कितनी सरकारी जमीन पर धार्मिक स्थल बना के अतिक्रमण किया जा रहा है, अगर अतीत में देखा जाए तो इन धर्मस्थलों का कोई इतिहास नहीं है और या यह सरकारी जमीन पर कब्जा करने का एक तरीका है, यहां तक कि इन जगहों को फर्जी नाम दे दिया जाता है।।इस बात से इंकार नहीं है कि हमारा देश पूरे विश्व में आध्यात्मिकता का एक केंद्र है। हमारे अतीत में हमारे देश में लाखों सूफी संतों ने जन्म लिया है। ये सभी लोग अच्छे और विनम्र शांतिप्रिय व्यक्ति थे। और इन सभी लोगों ने समाज और दुनिया की

भलाई और उन्नति के लिए काम किया। सूफी संतों के नाम पर आज कुछ लोगों ने सरकारी जमीनों पर कब्जा करने के लिए मजार बना ली है, यह सोची समझी साजिश है जिसमें मुसलमानों को बदनाम किया जा रहा है और असामाजिक गतिविधियों और

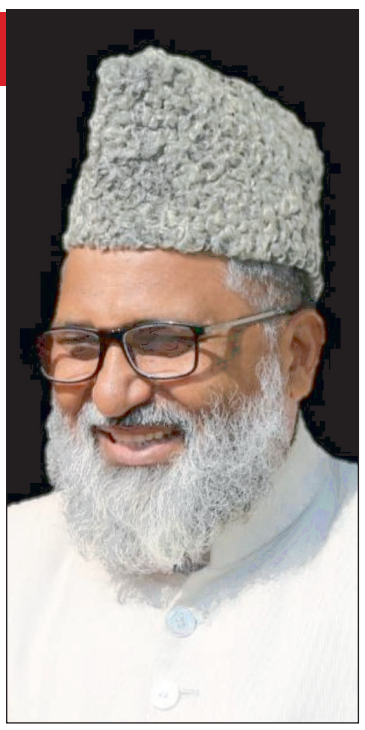

अतिक्रमण को छुपाने के लिए एक धार्मिक बिंदु दिया जाता है। सड़कों और सरकार के नियंत्रण वाली जमीन पर कब्र और मजार कैसे बन सकता है ?मैं मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी की सरकारी भूमि पर बने अवैध मजार के विरुद्ध की गई पहल का स्वागत करता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि वे किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष के नहीं बल्कि देवी भूमि पर अतिक्रमण के विरोधी हैं।सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले धार्मिक स्थल के सांठगांठ की जांच-पड़ताल करने की जरूरत है। इन गतिविधियों के पीछे के लोग पूरे मुस्लिम समुदाय को बदनाम कर रहे हैं और पूरे मामले को राजनीतिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी राज्य के लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के सपने को पूरा कर रहे हैं। लाभकारी योजनाएँ के लाभों को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच समान रूप से साझा किया जा रहा है।

निर्बाध और सुगम हो चारधाम यात्रा परिवहन मंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस बार चारधाम यात्रा की शुरुआत 22 अप्रैल से होगी. केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को तो बद्रीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे. परंपरा के अनुसार 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे।

देहरादून , 13 अप्रैल , चारधाम यात्रा के दौरान सभी व्यस्थाएं दुरुस्त रहे इसके मद्देनज़र परिवहन मंत्री चन्दन रामदास की अध्यक्षता में चारधाम यात्रा-2023 की बैठक हुई। परिवहन आयुक्त कार्यालय में हुई इस बैठक में परिवहन विभाग के अला अधिकारी मौजूद रहे। चारधाम यात्रा 2023 के लिए परिवहन सबंधी व्यवस्थाएं चाकचौबंद रहें इसलिए टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों, ट्रैवलिंग एजेंट्स को भी बैठक में शामिल किया गया था।

बैठक सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी द्वारा साल 2023 में होने वाली चारधाम यात्रा को निर्बाध व सुगम बनाये जाने लिए, विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों को बताया गया। चारधाम यात्रा में नियमित व सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति का गठन किया गया है। संयुक्त रोटेशन के अन्तर्गत 1584 बसें संचालित (1069 स्टेज कैरिज तथा 515 कान्ट्रैक्ट कैरिज), रोस्टर व्यवस्था से बाहर संचालित 3200 अतिरिक्त बसें (1300 बसें उत्तराखण्ड तथा 1900 बसें अन्य राज्य), यात्रा में परिवहन निगम की 100 बसें संचालित किये जाने के साथ ही यात्रियों की संख्या में अत्यधिक बढ़ोत्तरी होने पर कुमाऊं मण्डल की 100 बसों की व्यवस्था की जायेगी।

पिछले साल चारधाम यात्रा में परिवहन विभाग की ओर से जो भी कठिनाईयां हुई थी, उस तरह इस साल चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, उन सभी का निराकरण पर भी बैठक में बातचीत हुयी । इसके लिए जारी किये जाने वाले ग्रीन कार्ड और टिपकार्ड को आनलाईन करने के साथ-साथ टिप कार्ड को संषोधित करने व निरस्त करने की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। वाहनों को चैकपोस्टों पर रूक कर इन्तजार न करना पड़े इसके लिए चैकपोस्टों पर इन्टरनेट/टेबलेट उपलब्ध कराये

जा रहे हैं, जिन्हें ग्रीन कार्ड सॉफ्टवेयर से जोड़ा जा रहा है। विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु ग्रीन कार्ड मोबाईल एप भी विकसित किया जा रहा है, ताकि कोई भी यात्री कभी भी कहीं से भी अपना टिप कार्ड बनावा सके। मोबाईल एप को षीघ्र ही लॉच किया जायेगा। इस दौरान विभिन्न बस, टैक्सी यूनियनों के पदाधिकारियों ने चारधाम 2023 के लिए तैयारियों और वर्तमान में यात्रा मार्गों में आ रही समस्याओं को बताया गया।

बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त परिवहन मंत्री द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये गये। परिवहन मंत्री चन्दन रामदास ने कहा कि चारधाम यात्रा मात्र परिवहन विभाग ही नहीं अपितु पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य, पुलिस सभी विभागों से सम्बन्धित है। चूंकि यात्रा हेतु सड़क मार्ग ही एक मात्र साधन है इसलिए यात्रा का संचालन सभी परिवहन कम्पनियों और परिवहन व्यवसायियों के सहयोग से ही संभव है और वाहन स्वामियों के सहयोग के बिना चारधाम यात्रा को सुगम और सरल नहीं बनाया जा सकता है। परिवहन मंत्री चन्दन रामदास ने कहा कि इस बार हमारा ध्येय चारधाम यात्रा को पुराने अनुभवों से सीख कर कुछ और बेहतर करने का है। पिछली कमियों को दूर करते हुए, इस बार नई और बेहतर सुविधायें यात्रियों को उपलब्ध कराना हमारा ध्येय है।

उन्होंने कहा कि पहले यात्रा में केवल बुजुर्ग लोग ही यात्रा करते थे, परन्तु आज युवा वर्ग एवं छोटे बच्चे भी यात्रा में आ रहे हैं, इस प्रकार अब यात्रा का स्वरूप बदला है। सरकार का मुख्य ध्येय यह है कि कोई भी यात्री बिना दर्शन किये न जाये। सभी को मिलकर ऐसे सार्थक प्रयास करने होगे ताकि तीर्थ यात्रा पर आने वाले सभी यात्री एक सुखद अनुभव लेकर वापस जाये और उत्तराखण्ड की अतिथि देवो भवो की पहचान उनके हृदय में बनी रहे। मंत्री चन्दन रामदास ने कहा कि इस वर्ष सरकार द्वारा चालको/परिचालकों के कल्याण के लिए चालक कल्याण योजना भी बनायी जा रही है, जिसके अन्तर्गत सरकार द्वारा प्रथम चरण में रूपये 50.00 लाख की धनराशि रखी गयी है। इस योजना के अन्तर्गत चालकों/परिचालकों को प्रशिक्षण, चालकों के लिए धामों में एवं मार्ग पर विश्राम स्थलों की व्यवस्था, उनके लिए भोजन पानी आदि की व्यवस्था एवं यात्रा पर जाने से पूर्व उनके स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की जायेगी, ताकि वो मानसिक रूप से यात्रा हेतु तैयार रहे। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आने वाले तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने की दृष्टि से सड़क-सुरक्षा पर विषेश ध्यान दिया जाये। सभी सड़क निर्माण विभागों द्वारा यात्रा मार्गों पर क्रैष बैरियर, ब्लैक स्पॉट सुधारीकरण, गढ़डा मुक्त सड़क आदि की

कार्यवाही की जाये।मंत्री चन्दन रामदास ने कहा ग्रीन कार्ड का मुख्य उद्देष्य यह है कि चालक परिचालक का पूरी यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो इस हेतु चालक लाईसेंस, बीमा, टैक्स इत्यादि की जानकारी एक ही दस्तावेज में हो जिससे यात्रियों को अनावष्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि इस वर्श चारधाम में यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। साथ ही वीकेण्ड पर ऋशिकेष/हरिद्वार में जाम की स्थिति पैदा हो जाती है, उसके लिए भी नये ट्रैफिक प्लान की व्यवस्था कर दी गयी।

यात्रा मार्ग पर अत्यधिक जाम की रोकथाम हेतु वैकल्पिक ट्रैफिक प्लान लागू किया जाये।मंत्री चन्दन रामदास ने कहा कि परिवहन निगम यह सुनिष्चित कर लें कि मुख्य मार्गों से बसें हटाकर यात्रा मार्गों पर न लगायी जाये, अपितु ऐसी व्यवस्था की जाये कि यात्रा के साथ-साथ यात्रियों को भी बसें उपलब्ध हो और इस हेतु उनके द्वारा पहले से ही बसों की सुनिष्चित व्यवस्था की जाये। इस अवसर पर परिवहन मंत्री द्वारा परिवहन विभाग में नव सृजित मोटरसाईकिल दल/बाईक स्क्वॉड को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बाईक स्क्वॉड को राज्य के अधिक दुर्घटना वाले जनपदों में तैनात किया गया है और इनके द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित अभियोगों में प्रवर्तन की कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर एच0डी0एफ0सी0 बैंक के सहयोग से बाईक स्क्वाड को परिवहन मंत्री द्वारा पी0ओ0एस0/ई-चालान मषीनों का वितरण भी किया गया। परिवहन मंत्रीद्वारा बाईक दल रवाना करते हुए कहा गया कि उक्त दलों का कार्य केवल चालान करना ही नहीं है, अपितु यात्रा अवधि के दौरान मुख्य रूप से यात्रियों को सजग करना होगा। उनके द्वारा अनावष्यक बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए, यात्रियों को पर्यावरण हेतु भी सजग किया जाये। बैठक में श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी, सचिव/परिवहन आयुक्त, श्री रोहित मीणा, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, श्री सनत कुमार सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त, श्री सुधांशु गर्ग, उप परिवहन आयुक्त, श्री राजीव कुमार मेहरा, उप परिवहन आयुक्त, श्री दिनेश चन्द्र पठोई, उप परिवहन आयुक्त, डॉ0 अनीता चमोला, सहायक परिवहन आयुक्त, समस्त संभागीय एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों के अतिरिक्त श्री संजय शास्त्री , अध्यक्ष संयुक्त रोटेशन, ऋषिकेश, श्री मनोज ध्यानी, अध्यक्ष यातायात संघ, श्री अनिल बर्गली, बलबीर सिंह नेगी, श्री विजेन्द्र सिंह कण्डारी, श्री जितेन्द्र सिंह नेगी, श्री सुरेश सिंह ढैला एवं श्री राकेश गोयल के अतिरिक्त विभिन्न बस, टैक्सी, स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रेक्ट कैरेज एसोसियेशन के पदाधिकारियों द्वारा भाग लिया गया।

बाहरी लोगों के सत्यापन करने के सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी। पौड़ी की एसएसपी ने थाना क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन को गंभीरता से नहीं लेने पर नाराजगी जताते हुए। थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए। बुधवार को अपराध समीक्षा बैठक लेते हुए एसएसपी श्वेता चौबे ने चारधाम यात्रा और और लक्ष्मणझूला में जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर भी सत्यापन की कार्रवाई करने को कहा। एसएसपी ने कहा कि छात्र, श्रमिक, किरायेदार, घरेलू नौकर, फड़-फेरी वाले, मजदूर, बाहरी व्यक्ति, संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों के आगमन पर सत्यापन की कार्रवाई की जाए। चारधाम यात्रा को देखते हुए श्रीनगर में यातायात व्यवस्था को ठीक रखने, बाजारों को अतिक्रमण मुक्त करने सहित सडक़ों पर खड़े अव्यवस्थित वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही पार्क किये जाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि यात्रा रूट पर किसी तरह का अतिक्रमण न हो इसको लेकर प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर को विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने को कहा गया। सीओ श्रीनगर को यात्रा ड्यूटी में लगे कार्मिकों की भोजन आदि व्यवस्था करने को कहा गया। यात्रा रूट में साइन बोर्ड, चैक पोस्ट व बैरियर्स यदि जीर्ण-शीर्ण हो तो उन्हे ठीक कर लिया जाए। साथ ही हेल्पलाईन नंबरों को बोर्डों पर लगाया जाए। वैशाखी त्योहार, आम्बेडकर दिवस व ईद-उल-फितर पर्व के मद्देनजर कानून व्यवस्था को लेकर भी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि किसी भी थाना क्षेत्र में यदि किसी व्यक्ति पर 3 से अधिक आबकारी मामले हो और वह अवैध शराब के धंधे में लिप्त रहता है तो उसके विरूद्ध गुण्डा एक्ट के साथ ही जिला जिला बदर की कार्रवाई सर्किल अफसर करे। समन व वारंटों की तामील श्रीनगर, कोटद्वार द्वारा संतोषजनक नहीं की गई जिस पर एसएसपी ने नाराजगी जताई। 6 महीने से लंबित विवेचनाओं और धारा 420 के मामलों को निस्तारित करने को कहा। मार्च में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस अफसरों व कार्मिकों एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। बैठक में एएसपी शेखर चन्द्र सुयाल, सीओ श्रीनगर एसडी नौटियाल, थाना प्रभारी पौड़ी गोविंद कुमार, लक्ष्मणझूला विनोद गुंसाई, श्रीनगर रवि सैनी सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे।

तहसील दिवस में 32 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। पोखरी की जनता ने प्रशासन से अपनी विभिन्न समस्याएं हल करने की गुहार लगाई। तहसील दिवस में जनता ने मुख्य विकास अधिकारी डा.ललित नारायण मिश्र की उपस्थिति में क्षेत्र की लोक शिकायतों को रखा । तहसील दिवस में सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, सुरक्षा दीवार, अतिक्रमण, आधार कार्ड, मोबाइल नेटवर्क आदि से जुड़ी 59 शिकायतें मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखी। जिसमें से 32 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए प्राथमिकता पर उनका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। लोगों ने पोखरी-गोपेश्वर मोटर मार्ग व पोखरी-हापला-गुडम मोटर मार्ग सुधारीकरण और मसौली-नैलनौली व गुडम-नैल मोटर मार्ग डामरीकरण न होने की शिकायत की जिलासू-आली मोटर मार्ग पर भूस्खलन के कारण निर्माण कार्य पूरा न होने की समस्या पर लोनिवि के अधिशासी अभियंता ने बताया कि सडक़ का एलाइनमेंट बदलने की प्रक्रिया गतिमान है। पानी के लिए परेशान ग्रामीणों ने काण्डई में पेयजल आपूर्ति बाधित होने तथा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सौडा मंगरा गांव में कुछ परिवारों को पेयजल कनेक्शन न मिलने और ऐरास गांव में चिन्हित जल स्रोत में पानी की कमी के कारण नए जल स्रोत को टेप कराने की मांग की । पोखरी नगर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी संतोष कुमार पांडेय, जिला विकास अधिकारी डा.महेश कुमार, तहसीलदार सुरेंद्र सिंह देव, नायब तहसीलदार हरीश चन्द्र पांडेय आदि मौजदू रहे।

जिला योजना की रूपरेखा तय करने पर की चर्चा

चमोली। चमोली जिले की जिला योजना वर्ष 2023-24 की रूपरेखा तैयार करने को लेकर जिला मुख्यालय में मंथन और विमर्श शुरू हो गया है । मुख्य विकास अधिकारी डा. ललित नारायण मिश्र ने बुधवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि नए विकास योजनाओं के औचित्यपूर्ण आगणन के साथ प्रस्ताव तैयार करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जन प्रतिनिधियों के सुझावों एवं जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अति आवश्यक योजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करते हुए जिला योजना में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करें। अपूर्ण योजनाएं और अवशेष देनदारी से संबधित योजनाओं को भी प्रस्तावित विभागीय परिव्यय में शामिल करें। उन्होंने विकास विभागों को स्वरोजगार आधारित एवं क्लस्टर बेस योजनाओं के प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक काश्तकारों, किसानों एवं आम जनमानस को इसका लाभ मिल सके। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित योजनाओं एवं अनुमानित बजट को लेकर भी चर्चा की गई। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी ने बताया कि शासन से इस जनपद की जिला योजना वर्ष 2023-24 हेतु 6875.34 लाख का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है, जिसमें 2198.63 लाख चालू, बचनबद्व एवं मानदेय के लिए और 1031.30 लाख का परिव्यय स्वरोजगारपरक योजनाओं के लिए निर्धारित है।

शिविर में 60 लोगों ने किया रक्तदान

चमोली। मातृ सेवा सप्ताह के तहत चमोली के जिला मुख्यालय गोपेश्वर में हंस कल्चरल सेंटर के द्वारा सेवा भी सम्मान भी कार्यक्रम के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 60 रक्तदताओं ने रक्तदान किया। हंस कल्चरल सेंटर से जुड़े समाज सेवी लक्ष्मण सिंह राणा ने बताया माता राजराजेश्वरी की जयंती को मातृ सेवा सप्ताह के अन्तर्गत देश के अलग-अलग राज्यों में मनाया जा रहा है ।

संपादकीय

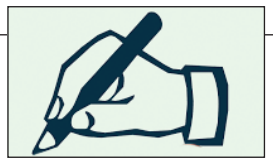

प्रसिद्धि व धन के पीछे भागती युवा पीढ़ी

हाल ही में दिल्ली मेट्रो में अत्यंत छोटे वस्त्र पहने एक लड़की का वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया से लेकर मीडिया जगत के सभी मोर्चों पर बहस छिड़ गयी है. जैसा कि हमेशा से होता आया है, कट्टर नारीवाद समर्थक इसे महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला ठहरा रहे हैं. वहीं दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जिसे तथाकथित रूप से रूढ़िवादी समझा जाता है, वह सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह के कपड़ों को पहनने के पक्ष में नहीं है. नारीवाद, यौन मुक्ति, व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, ये तमाम अवधारणाएं आपस में कुछ इस तरह उलझी हुई हैं कि इनको अलग-थलग करके देखना और समझना बहुत मुश्किल काम है. दिल्ली मेट्रो की लड़की की वेशभूषा अश्लील है? यदि अश्लील है तो क्या उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने का कोई प्रावधान है? आईपीसी की धारा 292 और आईटी एक्ट 67 में उन सामग्रियों को अश्लील बताया गया है जो कामुक हैं अथवा कामुकता उत्पन्न करती हैं, या फिर जिन्हें देखने, पढ़ने और सुनने से कामुकता उत्पन्न होती है. बावजूद इसके, कानून में यह स्पष्ट नहीं है कि कामुक और कामुकता किसे माना जाए. कानून के दायरे में अश्लीलता का प्रश्न स्वयं में ही उलझा हुआ सा प्रतीत होता है. परंतु क्या यह आवश्यक नहीं कि इस संबंध में गंभीर रूप से चर्चा हो. क्या यह मुद्दा सिर्फ इसी एक लड़की से संबंधित है या फिर समाज में एक ऐसा वर्ग भी है जो छोटे एवं भड़काऊ कपड़ों को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखता है? अपने शरीर पर स्वायत्तता का दावा करने वाला यह वर्ग किसी भी प्रकार के वस्त्र प्रतिबंध को स्त्री सशक्तिकरण के विरुद्ध समझता है. अब यह प्रश्न उठता है कि छोटे या अंग प्रदर्शित करने वाले परिधानों का क्या वाकई सशक्तिकरण और लैंगिक समानता से लेना-देना है, या यह सिर्फ एक फितूर मात्र है. देह प्रदर्शन से लैंगिक समानता पाना एक खोखला प्रयास है. वास्तविकता तो यह है कि वे लोग जो पितृसत्तात्मक व्यवस्था को लैंगिक समानता में बाधा मानते हैं, वे इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए वह सब करने को तत्पर दिखाई देते हैं जिससे उनका पितृसत्तात्मक व्यवस्था के प्रति विद्रोह और क्षोभ प्रदर्शित हो. यही कारण है कि चुस्त और अंग प्रदर्शित करने वाले वस्त्रों को सशक्तिकरण से जोड़कर देखा जाता है. परंतु बात मात्र इतनी सी नहीं है. एक जटिल सामाजिक और विकासवादी समाज में एक स्त्री जब देह प्रदर्शन का चयन करती है, तो उसे हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए. वह तो वास्तव में एक चतुर खिलाड़ी की भूमिका निभा रही होती है. वह अर्थशास्त्र के इस नियम को भलीभांति जानती है कि प्रसिद्धि अपने साथ धन भी लाती है. प्रसिद्धि पाने का सबसे सहज रास्ता कुछ ऐसा करना है, जो समाज और सांस्कृतिक मूल्यों के खाके में सही न बैठता हो. क्या दिल्ली मेट्रो में छोटे कपड़े पहनने वाली लड़की इस तथ्य से परिचित नहीं थी कि उसके परिधान न केवल सभी का ध्यान आकर्षित करेंगे, अपितु चंद दिनों में ही वह देशभर में चर्चा का विषय बन जायेगी? यकीनन वह इस तथ्य से भली-भांति परिचित थी.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

संक्षप्ति खबरें

ग्राफिक एरा यूएस कंपनी के साथ तैयार करेगा साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम

देहरादून। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी में साइबर सिक्योरिटी पर नया पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए अमेरिका की प्रख्यात कंपनी इसी-काउंसिल से हाथ मिलाया है। इसी-काउंसिल विश्व की जानी-मानी साइबर सिक्योरिटी कंपनी होने के साथ सर्टिफाइड एथिकल हैकर सर्टिफिकेशन भी करवाती है। ग्राफिक एरा का यह कोलैबोरेशन विवि के साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम को संयुक्त रूप से विकसित करने के साथ प्रोडक्ट डेवलपमेंट और इन्क्यूबेशन सेंटर की मदद से छात्र छात्राओं को साइबर रेडी बनाएगा। इस पार्टनरशिप की मदद से छात्र छात्राओं को सोल्यूशन ओरिएंटेड सिक्योरिटी में ट्रेन किया जाएगा। अपने तकनीकी कौशल से छात्र-छात्राओं की ट्रेन्ड टीमें इनोवेटिव प्रोडक्ट्स और सेवाओं से साइबर खतरों से लोगों की सुरक्षा करेंगे।

वुशु जिला चैंपियनशिप में शेर दून क्लब ने 21 स्वर्ण, 6 रजत, तीन कांस्य पदक सहित 30 पदक जीते

देहरादून। देहरादून जिला वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में शेर दून क्लब ने 21 स्वर्ण, 6 रजत, तीन कांस्य पदक सहित 30 पदक जीते। विजेताओं को अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष आरके जैन ने ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया। देहरादून बॉक्सिंग संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेन्द्र बुटोइया ने बताया कि यमुना कॉलोनी के ऑफिसर्स क्लब में हुई प्रतियोगिता में लगातार तीसरे वर्ष चैंपियनशिप की ट्रॉफी शेर दून क्लब के नाम रही। टीम की कोच रोशनी कुंवर के पति लविश कुंवर भी वूशु और बॉक्सिंग में नेशनल मेडलिस्ट रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में विकासनगर के शेरपुर ग्राम शिमला बायपास रोड पर इस क्लब का संचालन होता है।

आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर जश्न

देहरादून। आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर बुधवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में जश्न मनाया गया। इस मौके पर प्रदेश समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मेहनत से पार्टी इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि आप ने ईमानदार राजनीति का मॉडल खड़ा किया है। इसलिए पार्टी देशभर में विकल्प के तौर पर उभर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भी पार्टी जल्द चुनावों में सफलता दर्ज करेगी। नगर निकाय और लोकसभा चुनाव पार्टी पूरी ताकत से लड़ेगी। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष आरपी रतूड़ी, यूथ अध्यक्ष नितिन जोशी, उमा सिसोदिया, कमलेश रमन, नासिर खान, सुधा पटवाल, सुदेश सैनी, नासिर खान , सीपी सिंह, विपिन नेगी, अशोक सेमवाल, विपिन खन्ना, इकबाल राव, सुशील सैनी, श्याम बाबू पांडे उपस्थित हुए।

कुमाऊं कमिश्नर ने जीएसटी चोरी के सामान को किया जब्त

हल्द्वानी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने मॉर्निंग वॉक के दौरान सरस मार्केट क्षेत्र में जीएसटी चोरी कर लाया जा रहा सामान जब्त कराया। उन्होंने जीएसटी के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्रवाई कराई। कमिश्नर दीपक रावत को लगातार शिकायत मिल रही थी कि शहर से बड़ी मात्रा में जीएसटी चोरी कर सामान की सप्लाई की जा रही है। बुधवार सुबह वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। सरस मार्केट के पास उन्होंने कई लोगों को सामान की सप्लाई करते देखा। उन्होंने सप्लायरों से जीएसटी बिल मांगे तो वह नहीं दिखा पाए। इस पर उन्होंने तुरंत जीएसटी के अधिकारियों को मौके पर बुलाया। अधिकारियों ने वहां पहुंचकर सामान की जांच की तो पता चला कि 38 पैकेट बिना जीएसटी बिल के सप्लाई किए जा रहे थे। इनमें अलग-अलग प्रकार की सामग्री पाई गई। जांच में यह भी पाया गया कि पैकेट पर कुछ और लिखा था जबकि अंदर सामान अलग निकला।

कांट्रेक्ट रिन्यू करने की मांग को लेकर धरना जारी

हल्द्वानी। कांट्रेक्ट रिन्यू करने की मांग को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का धरना प्रदर्शन बुधवार को 28वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि कोरोना काल में उन्होंने मरीजों का इलाज किया। सरकार ने प्रोत्साहन देने की जगह उनका रोजगार छीन लिया है। उन्होंने सरकार से तुरंत कांट्रेक्ट रिन्यू करने की मांग की है। इस दौरान कुमुद बहुगुणा, कविता शर्मा, कमल, ललित, महेंद्र, मोहन जोशी, रघुवर दत्त, महेश आर्य, नवीन बेलवाल, अनिता, राधा, दलीप आदि मौजूद रहे।

26 मई से एलएचबी कोच के साथ दौड़ेगी लखनऊ एक्सप्रेस

हल्द्वानी। काठगोदाम और लखनऊ के बीच चलने वाली लखनऊ एक्सप्रेस अब 26 मई से एचएलबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच के साथ दौड़ेगी। एचएलबी कोच हल्के व आरमदायक यात्रा के लिए जाने जाते हैं। इज्जतनगर मंडल के पीआरओ राजेन्द्र सिंह ने बताया कि लखनऊ एक्सप्रेस की रेक में जनरेटर सह लगेज यान के 1, साधारण द्वितीय श्रेणी के 3, शयनयान श्रेणी के 3, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 6, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, एलएसएलआरडी का 1 कोच समेत कुल 16 कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एलएचबी कोच जर्मनी की कंपनी है जिसका पूरा नाम लिंक हॉफमैन बुश है। कपूरथला में इसके कोच बनते हैं। भारतीय रेलवे इस कोच को सन- 2000 में जर्मनी से लेकर आया था। एलएचबी कोच माइल्ड स्टील से बनता है। यह वजन में हल्का और उपयोगी रहता है। सीधे शब्दों में कहें तो नीले रंग वाले डिब्बे आईसीएफ कोच होते हैं और राजधानी-शताब्दी जैसी ट्रेनों में लाल रंग के डिब्बे एलएचबी कोच होते हैं।

बिजली कटौती को लेकर ईई से मिले ग्रामीण

हल्द्वानी। दमुवाढूंगा वार्ड के लोगों ने अघोषित बिजली कटौती और झूलते बिजली के तारों पर नाराजगी जताते हुए बुधवार को ऊर्जा निगम के ईई ग्रामीण डीडी पांगती से मुलाकात की। हीरानगर स्थित कार्यालय पहुंचे वार्ड 35, 36 और 37 के लोगों ने कहा कि क्षेत्र में अक्सर लो-वोल्टेज की समस्या रहती है। इसके समाधान के लिए वार्ड 37 मल्ला चौफुला और मित्र पुरम में नए ट्रांसफार्मर जरूरी हैं। वीरेंद्र बिष्ट और अल्का आर्य ने वार्ड-36 में तारों के लटकने, बिजली के खंभों की दूर अधिक होने, लो वोल्टेज होने और बिजली के उपकरण फुंकने की समस्या बताई। साथ ही विद्युत बिल केंद्र क्षेत्र में बनाने की भी मांग की। ईई ने ग्रामीणों को उनकी सभी मांगों पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। प्रदीप शंकर, पंकज अधिकारी, अंशुमन आर्य, सुजल सचिन, मनीष आर्य, अमन कुमार, तरुण कुमार, प्रशांत रावत, रोहित पांडे, छात्र संघ उपसचिव सौरव कुमार, अमन आर्य आदि मौजूद रहे।

26 मई से शानदार कोचों के साथ दौड़ेगी लखनऊ एक्सप्रेस

हल्द्वानी। काठगोदाम और लखनऊ के बीच चलने वाली लखनऊ एक्सप्रेस अब 26 मई से एचएलबी रेक के साथ चलेगी। इज्जतनगर मंडल के पीआरओ राजेन्द्र सिंह ने बताया कि एलएचबी कोच की वजह से ट्रेन की स्पीड बढ़ती है और सफर सुरक्षित तथा आरामदायक रहता है। इस रेक में जनरेटर सह लगेज यान के 1, साधारण द्वितीय श्रेणी के 3, शयनयान श्रेणी के 3, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 6, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, एलएसएलआरडी का 1 कोच सहित कुल 16 कोच स्थायी रूप से लगाये जायेंगे।

कैरियर : क्या आप CA की तैयारी कर रहे हैं ? ये है पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अप्रैल , चार्टेड अकाउंटेंट यानि सीए (Chartered Accountant or CA) बनना कई लोगों का सपना होता है लेकिन इसकी तैयारी करना काफी कठिन माना जाता है. जिस कारण हर कोई सीए नहीं बन पाता है. सीए बनने के लिए ना केवल कठिन मेहनत बल्कि साथ ही काफी लगन की जरूरत भी होती है. चार्टेड अकाउंटेंट यानि सीए (Chartered Accountant or CA) का काम फाइनेंस से जुड़ी जानकारी अपने क्लाइंट्स को देना, फाइनेंसियल सलाह देना, बिज़नेस अकाउंट (Business Account) को मैनेज करना, टैक्स और टैक्स रिटर्न के बारे में जानकारी रखना आदि होता है.

सबसे पहले सीए बनने के लिए आवेदकों को एग्जाम देना होता है, जिसका आयोजन तीन चरण में होता है. इन एग्जाम में सफल होने के बाद ही उम्मीदवार का सीए बनने के सपना पूरा हो सकता है. ये तीन एग्जाम इस प्रकार हैं:

1. CA फाउंडेशन कोर्स

इस पोस्ट के लिए उम्मीदवार का 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना जरुरी है. जैसे ही आप 12वीं पास कर लेते हैं आपको CA फाउंडेशन कोर्स की तैयारी करना होती है. पहले इस कोर्स को CPT के नाम से जाना जाता था, जिसके अंतर्गत उम्मीदवारों को CA की एग्जाम के लिए एंट्रेंस टेस्ट करवाता जाता था. इसके लिए स्टूडेंट्स का 10वीं पास करने के बाद ही रजिस्ट्रेशन करना जरुरी होता था.हालाँकि अब इस CPT का नाम भी CA फाउंडेशन कोर्स कर दिया गया है और साथ ही रजिस्ट्रेशन भी 12वीं क्लास के बाद करवाना होता है. इस कोर्स की मान्यता 3 साल तक होती है. यदि आप तीन साल में इसे पास करने में असमर्थ रहते हैं तो आपको इसके लिए फिर से रजिस्ट्रेशन करना होता है.इस कोर्स के लिए फीस 11300 रुपए बताई जाती है जोकि रजिस्ट्रेशन फीस है. इसके साथ ही यदि आप किसी कोचिंग से इस कोर्स के लिए तैयारी करते हैं तो उसके लिए आपको अलग से फीस देना होती है. हर साल मई और नवम्बर महीने के दौरान इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है.CA फाउंडेशन कोर्स करने के लिए जब आप रजिस्ट्रेशन कर लेते हैं तो आपको पढ़ाई के लिए 4 महीने का समय दिया जाता है. जिसके बाद एक फाउंडेशन एग्जाम फॉर्म भरा जाता है और एग्जाम में शामिल हुआ जाता है. इस एग्जाम में 4 तरफ के पेपर होते हैं. जिसके लिए उम्मीदवार को 3 घंटे का समय मिलता है. सभी पेपर 100 अंकों के

लिए होते हैं और इनमें 40 प्रतिशत अंक लाना जरुरी होता है जबकि सभी पेपर्स को मिलाकर 50 प्रतिशत अंक आना अनिवार्य है.

चलिए आपको बताते हैं सभी विषयों और उनके अंकों के बारे में :

Principal and Practices of Accounting : 100 Marks

Business Mathematics : 60 Marks

Statistics : 40 MarksMercantile Law : 60 MarksGeneral English : 40 MarksBusiness Economics : 60 MarksBusiness and Commercial Knowledge : 40 Marks

जब स्टूडेंट के द्वारा CA फाउंडेशन को क्रैक कर लिया जाता है तब जाकर उम्मीदवार दूसरे चरण में कदम रखता है और CA इंटरमीडिएट कोर्स में शामिल होता है. साथ ही आपको इस बारे में भी बता दें कि स्टूडेंट या उम्मीदवार CA कोर्स में सीधे तरीके से भी अप्लाई कर सकते हैं.कर लेने वाले अभ्यर्थियों दूसरा चरण अपनाते हुए CA इंटरमीडिएट कोर्स करने में के लिए शामिल होना पड़ता है । इसके लिए अभ्यर्थी foundation रूट या CA कोर्स में सीधी भर्ती के लिए अप्लाई कर सकते है.अब चाहे स्टूडेंट ने किसी भी स्ट्रीम के साथ अपना ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया हो, उसके लिए CA फाउंडेशन कोर्स अनिवार्य नहीं होता है. हाँ लेकिन यह बात ध्यान में रखना बेहद ही जरुरी है कि अभ्यर्थी का

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में कॉमर्स में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होना जरुरी है और अन्य में 60 प्रतिशत होना जरुरी है.CA इंटरमीडिएट कोर्स के अंतर्गत टोटल 8 पेपर होते हैं और ये सभी पेपर 100 अंकों के होते हैं. सभी पेपर्स में स्टूडेंट या अभ्यर्थी को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होता है. और इसके साथ ही सभी पेपर्स को मिलाकर 50 प्रतिशत अंक आना अनिवार्य है.

चलिए आपको बताते हैं सभी विषयों और उनके अंकों के बारे में :

Group I

Accounting : 100 MarksCorporate Laws & Other Laws : 100 MarksCompany Law : 60 MarksOther Laws : 40 MarksCost and Management Accounting : 100 MarksTaxation : 100 MarksIncome-Tax Law : 60 MarksIndirect Taxes : 40 MarksGroup IIAdvanced Accounting : 100 MarksAuditing and Assurance : 100 MarksEnterprise Information Systems & Strategic Management : 100 MarksEnterprise Information Systems : 50 MarksStrategic Management : 50 MarksFinancial Management & Economics for Finance : 100 MarksFinancial Management : 60 MarksEconomics for Finance Marks : 40 Marks

जब एक बार CA इंटरमीडिएट कोर्स के रजिस्ट्रेशन किया जाता है तो यह 4 साल के लिए मान्य होता है. इसके लिए एग्जाम साल में मई और नवम्बर के महीने के दौरान किया जाता है. साथ ही यह भी जान लें कि इसके लिए उम्मीदवार को 27200 रुपए फीस देना होती है.

3. CA फाइनल एग्जाम कोर्स (CA final exam course) :

CA इंटरमीडिएट को क्लियर करने के बाद अभ्यर्थी को 3 साल की CA आर्टिकलशिप के लिए आवेदन करना होता है. इस कोर्स को एक प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के तौर पर देखा और कराया जाता है. उम्मीदवार के द्वारा 6 माह पूर्व ही CA फाइनल के लिए आवेदन किया जा सकता है. चूँकि यह CA बनने की दिशा में आखिरी कदम होता है इसलिए यह कठिन भी होता है. इस अंतिम चरण को पास करने के साथ ही अभ्यर्थी को सीए के पद के लिए भी नियुक्ति मिल मिल जाती है.जब एक बार CA फाइनल एग्जाम के लिए अभ्यर्थी के द्वारा रजिस्ट्रेस्शन कर दिया जाता है तो इसकी मान्यता 5 साल तक के लिए होती है. यदि स्टूडेंट इसे 5 साल में भी पास नहीं कर पाते हैं तो वे फिर से इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. CA फाइनल एग्जाम के लिए अभ्यर्थी को 32300 रुपए फीस देना पड़ती है.इसके साथ ही पढने के लिए स्टूडेंट को रजिस्ट्रेशन के बाद 4 महीने का टाइम मिलता है. जिसके बाद फाइनल एग्सजाम भरा जाता है और एडमिट कार्ड के साथ एग्जाम सेंटर में एंट्री मिलती है. यह बात ध्यान रखने योग्य है कि एडमिट कार्ड होने पर ही परीक्षा केंद्र में आपको प्रवेश मिलता है.CA फाइनल एग्जाम कोर्स के अंतर्गत टोटल 8 पेपर होते हैं. सभी पेपर्स में स्टूडेंट या अभ्यर्थी को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होता है. और इसके साथ ही सभी पेपर्स को मिलाकर 50 प्रतिशत अंक आना अनिवार्य है.

चलिए आपको बताते हैं सभी विषयों और उनके अंकों के बारे में :

Financial ReportingStrategic Financial ManagementAdvanced Auditing and Professional EthicsCorporate and Allied LawsAdvanced Management AccountingInformation Systems Control and AuditDirect Tax LawsIndirect Tax Laws

जब अभ्यर्थी CA फाइनल एग्जाम को पास कर लेता है तो उसे I CAI में रजिस्टर करना पड़ता है. जैसे ही यह प्रोसेस कम्पलीट हो जाती है तो उसे CA पर के लिए नियुक्त किया जाता है. इसके बाद आप किसी मल्टीनेशनल कंपनी का हिस्सा बनकर या किसी बैंक या फर्म का हिस्सा बनकर एक CA के तौर पर काम कर सकते हैं.

उम्र बढ़ने के साथ क्यों कम होने लगती है नींद, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अप्रैल : मेमोरी और फोकस यानी संपूर्ण मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छी और गहरी नींद जरूरी है। पर क्या आप इन दिनों बिस्तर पर देर से जाने के बावजूद सुबह जल्दी उठ जाती हैं? या रात को कई बार आपकी नींद टूटती है? वास्तव में यह उम्र बढ़ने का सबसे स्वभाविक संकेत है। विभिन्न शोध और एक्सपर्ट इस पर सहमति जताते हैं कि उम्र का प्रभाव हमारी नींद पर भी पड़ता है। पर क्यों होता है ऐसा? और क्या हो सकते हैं इसके दुष्प्रभाव यह जानने के लिए आइए कुछ शोधों पर नजर डालते हैं।

कब, कितनी नींद है सामान्य

जन्म के तुरंत बाद बच्चा 24 में से 22 घंटे सोता रहता है। जैसे-जैसे वह बड़ा होता है, उसकी नींद शरीर के अनुसार, बदलती रहती है। वयस्क होने पर व्यक्ति 8-9 घंटे की नींद लेता है। ब्रेन हेल्थ के लिए नींद की भूमिका अहम है। नर्व, न्यूरो ट्रांसमीटर और ब्रेन के लिए 7-8 घंटे की बाधा रहित नींद जरूरी है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी नींद प्रभावित होने लगती है। रात में कई घंटे तक नींद नहीं आना, रात भर नींद खुलते रहना उम्र बढ़ने के साथ महसूस होने वाली आम समस्याएं हैं।

क्या है नींद कम आने के कारण

गहरी नींद में सोना स्टेज 3 स्लीप कहलाता है। यह मसल्स और टिश्यू ग्रोथ के लिए जरूरी है। इस दौरान शरीर में सेलुलर रिपेयर भी होती है। हार्मोनल चेंज, मेडिकल कॉमप्लिकेशन और स्ट्रेस उम्र बढ़ने पर नींद कम होने के प्रमुख कारक हैं। डिप्रेशन, एंग्जायटी, नाइट शिफ्ट में काम करने के कारण भी नींद प्रभावित हो सकते हैं। बुढ़ापे में कुछ दवाएं भी साउंड स्लीप नहीं आने देने के लिए जिम्मेदार होती हैं। इसके जेनेटिक्स भी कारण हो सकते हैं।

उम्र बढ़ने के साथ आपके शरीर का सर्केडियन सिस्टम भी प्रभावित हो जाता है।

साउंड स्लीप में मददगार हो सकते हैं ये उपाय उम्र बढ़ने के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव लाकर शरीर को अधिक गहरी और आरामदायक नींद दिलाने में मदद मिल सकती है।

1- एरोबिक एक्सरसाइज करें कार्डियो

वर्कआउट, जिसे एरोबिक व्यायाम भी कहा जाता है। तैराकी, बाइकिंग, जॉगिंग या या वॉकिंग कार्डियो वर्कआउट हैं। इससे अच्छी नींद आती है। अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, दुर्गा प्राणायाम, शासन भी गहरी नींद लाने में मदद करते हैं।

2 - किसी भी प्रकार के नशे को छोड़ दें यदि आप किसी प्रकार का नशा करती हैं, तो उसे तुरंत छोड़ दें। नशा हमारे नयूरोट्रांसमीटर और नींद को प्रभावित करता है। सोने से पहले निकोटीन, कैफीन का सेवन नहीं करें।

3- स्लीप सप्लीमेंट साउंड स्लीप के लिए स्लीप सप्लीमेंट भी ट्राई कर सकती हैं। स्लीप सप्लीमेंट ट्राई करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।स्लीप सप्लीमेंट ट्राई करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। वे व्यक्ति के द्वारा पहले से ली जा रही दवाओं के अनुसार स्लीप सप्लीमेंट प्रिसक्राइब करेंगे।

4 - गैजेट्स को न लगाएं बेडरूम में सोने के एक घंटे पहले किसी भी प्रकार की टेक्नोलॉजी से खुद को दूर कर लें। शोध से यह प्रमाणित हो चुका है कि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स से निकलने वाली ब्लू लाइट हार्मोन को प्रभावित कर देती है. जिससे साउंड स्लीप आने में दिक्कत होती है।